इस्लाम, एक महान सभ्यता (2 का भाग 1): परिचय

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: लेख इस्लाम के फायदे इस्लाम, मुहम्मद और क़ुरआन के बारे में दूसरे लोग क्या कहते हैं

द्वारा: iiie.net

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

इस्लाम जो मुहम्मद (ईश्वर की दया और कृपा उन पर बनी रहे) को दिया गया था वह इससे पहले के सभी धर्मों का विस्तार और परिणिति है, और इसलिए यह सभी समय और सभी लोगों के लिए है। इस्लाम की यह स्थिति चिकाचौंध तथ्यों से जीवित है। सबसे पहले, कोई अन्य आसमानी पुस्तक उसी रूप और सामग्री में मौजूद नहीं है जैसा कि इसे उतारा गया था। दूसरा, कोई अन्य धर्म मानव जीवन के सभी क्षेत्रों में सभी समय का मार्गदर्शन करने का कोई ठोस दावा नही करता है। लेकिन इस्लाम बड़े पैमाने पर मानवता को संबोधित करता है और सभी मानवीय समस्याओं के बारे में बुनियादी मार्गदर्शन करता है। इसके अलावा, यह चौदह सौ वर्षों की कसौटी पर खरा उतरा है और इसमें एक आदर्श समाज की स्थापना की सभी क्षमताएं हैं, जैसा कि अंतिम पैगंबर मुहम्मद के नेतृत्व में हुआ था।

यह एक चमत्कार ही था कि पैगंबर मुहम्मद अपने सबसे कट्टर दुश्मनों को भी पर्याप्त भौतिक संसाधनों के बिना इस्लाम की ओर ला सकते थे। मूर्तियों की पूजा करने वाले, पूर्वजों के तरीकों को अंधो की तरह मानने वाले, झगड़ों को बढ़ावा देने वाले, और मानवीय गरिमा और रक्त का अपमान करने वाले, इस्लाम और उसके पैगंबर के मार्गदर्शन में सबसे अनुशासित राष्ट्र बन गए। इस्लाम ने धार्मिकता को योग्यता और सम्मान की एकमात्र कसौटी के रूप में घोषित करके उनके सामने आध्यात्मिक ऊंचाइयों और मानवीय गरिमा के द्वार खोले। इस्लाम ने बुनियादी कानूनों और सिद्धांतों से उनके सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक और व्यावसायिक जीवन को आकार दिया जो मानव प्रकृति के अनुरूप हैं और ये हर समय लागू होते हैं क्योंकि मानव स्वभाव बदलता नही है।

यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिमी ईसाइयों ने आरंभिक चरण में इस्लाम की अभूतपूर्व सफलता को ईमानदारी से समझने की बजाय इसे एक प्रतिद्वंद्वी धर्म के रूप में माना। सदियों से चल रहे धर्मयुद्ध के दौरान, इस सोंच को बहुत बल और प्रोत्साहन मिला और इस्लाम की छवि को धूमिल करने के लिए भारी मात्रा मे साहित्यों की रचना की गई। लेकिन इस्लाम ने अपनी वास्तविकता को आधुनिक विद्वानों को दिखाना शुरू कर दिया, इस्लाम के बारे मे इन विद्वानों की साहसिक और उद्देश्यपूर्ण टिप्पणियों ने तथाकथित निष्पक्ष प्राच्यवादियों द्वारा इसके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया।

यहां हम आधुनिक समय के गैर-मुस्लिम विद्वानों द्वारा इस्लाम पर कुछ टिप्पणियां प्रस्तुत करते हैं। सत्य को अपनी पैरवी के लिए किसी अधिवक्ता की आवश्यकता नहीं है, लेकिन इस्लाम के खिलाफ लंबे समय तक दुर्भावनापूर्ण प्रचार ने स्वतंत्र और उद्देश्यपूर्ण विचारकों के मन में भी बहुत भ्रम पैदा कर दिया है।

हम आशा करते हैं कि निम्नलिखित टिप्पणियां इस्लाम के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन को आरंभ करने में योगदान देंगे।

कैनन टेलर, वॉलवरहैमटन में चर्च कांग्रेस से पहले पढ़ा गया पेपर, 7 अक्टूबर 1887, *?? ???????? ?? ??????* में अर्नोल्ड द्वारा उद्धृत, पृष्ठ 71-72:

“इस्लाम ने हठधर्मिता को साहस मे बदल दिया। यह दास को आशा देता है, मानव जाति को भाईचारा देता है, और मानव स्वभाव के मूलभूत तथ्यों को मान्यता देता है।"

सरोजिनी नायडू का "दी लीडर्स ऑफ़ इस्लाम" पर व्याख्यान, सरोजिनी नायडू के भाषण और लेख देखें, मद्रास, 1918, पृष्ठ 167:

"न्याय की भावना इस्लाम के सबसे अद्भुत आदर्शों में से एक है, क्योंकि मैंने जब क़ुरआन पढ़ा, तो मुझे जीवन के वो गतिशील सिद्धांत मिलें जो रहस्यवादी नही हैं लेकिन पूरी दुनिया के लिए अनुकूल जीवन के दैनिक आचरण के लिए व्यावहारिक नैतिकता है।"

डी लेसी ओ'लेरी, इस्लाम एट द *??????????*, लंदन, 1923, पृष्ठ 8:

"हालांकि इतिहास यह स्पष्ट करता है कि दुनिया भर में फैले कट्टर मुसलमानों की कविदंती और विजयी जातियों को तलवार के बल पर इस्लाम कबूल करने को मजबूर करना सबसे काल्पनिक रूप से

बेतुके मथिकों में से एक है जसिे इतहिासकारों ने कभी दोहराया है।

एच.ए.आर. गबि, वदिर इस्लाम, लंदन, 1932, पृष्ठ 379:

"लेकनि इस्लाम के पास मानवता के लिए एक और सेवा है। यह यूरोप की तुलना में वास्तवकि पूर्व के अधकि नकिट है, और इसमें अंतर-नस्लीय समझ और सहयोग की एक शानदार परंपरा है। मानव जाति की इतनी सारी वभिन्नि जातियों की स्थति, अवसर और प्रयासों की समानता में एकजुट होने में सफलता का ऐसा रकिॉर्ड कसिी अन्य समाज के पास नहीं है ... इस्लाम में अभी भी नस्ल और परंपरा के स्पष्ट रूप से अपरविर्तनीय तत्वों को समेटने की शक्ति है। यदि कभी पूर्व और पश्चमि के महान समाजों के वरिोध को सहयोग से बदलना है, तो इस्लाम की मध्यस्थता एक अनविार्य शर्त है। इसमे काफी हद तक उस समस्या का समाधान है जो यूरोप अपने संबंधों मे पूर्व के साथ झेल रहा है। यदि वे एकजुट हो जाते हैं, तो शांतपिूर्ण मुद्दे की आशा अथाह रूप से बढ़ जाएगी। लेकनि अगर यूरोप इस्लाम के सहयोग को ठुकरा देता है, तो यह मुद्दा दोनों के लिए वनिाशकारी साबति हो सकता है।

जी.बी. शॉ, द जेनुइन इस्लाम, वॉल्यूम 1, नंबर 81936:

"मैंने हमेशा मुहम्मद के धर्म को उसकी अद्भुत जीवन शक्ति के कारण उच्च सम्मान दयिा है। यह एकमात्र ऐसा धर्म है जो अस्तत्वि के बदलते चरण में आत्मसात करने की क्षमता रखता है जो खुद को हर युग के लिए आकर्षक बनाता है। मैंने उनका अध्ययन कयिा है - मेरी राय में एक अद्भुत व्यक्ति जो मसीह वरिोधी नही है, उसे मानवता का उद्धारकर्ता कहा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर उनके जैसा आदमी आधुनकि दुनयिा की तानाशाही ग्रहण कर लेता है, तो वह उसकी समस्याओं को इस तरह से हल करने में सफल होगा जसिसे उसे बहुत आवश्यक शांति और खुशी मलि सके: मैंने मुहम्मद के वशि्वास के बारे में भवषि्यवाणी की है कि यह कल के यूरोप को स्वीकार्य होगा क्योंकि यह आज के यूरोप को स्वीकार्य होने लगा है।"

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/index.php/hi/articles/191

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधकिार सुरक्षति हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधकिार सुरक्षति हैं।